AP 7 (6)

VKS8

दृष्टि The Vision

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - V)

GENERAL STUDIES (Test - V)

मॉड्यूल - V / Module - V

DTVF/17–M–**GS5**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): बिक्रम गंगवार

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 7/9/17

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): (V)

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS: 62½ /250

Introduction	Context	Content	Structure	Current Link / Examples	Conclusion	Language
C	B+	B	C+	C	C	C

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

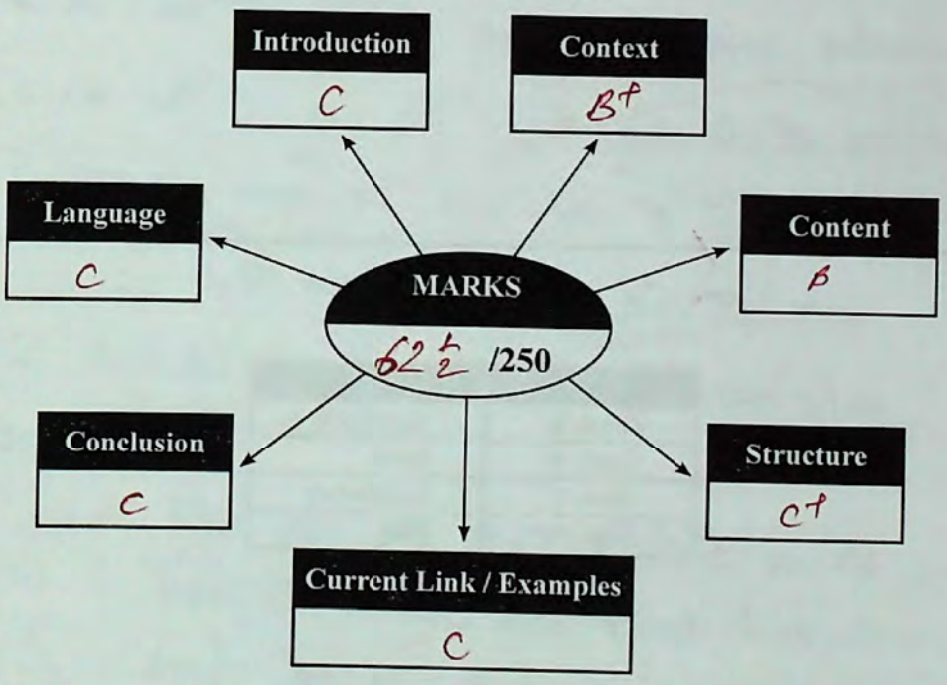

दृष्टि The Vision

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- प्रश्न के संदर्भ में भूमिका और प्रभावी लिखें।
- सभी प्रश्न हल करें।
- प्रश्न के सभी पक्षों पर लिखें।
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. "प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद यद्यपि निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने के संबंध में परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट होता है, परंतु अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी के संबंध में यह अपेक्षाकृत कमजोर रहा है।" भारतीय राज्यों के संदर्भ में उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although the competitive federalism is a powerful agent of change in relation to attracting investment and talent but with regard to the delivery of essential services it has been comparatively weak." Explain the statement given above with reference to the Indian states. (250 words) 12.5

संघवाद भारतीय संविधान का मूल ढांचा है जिसके अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया है तथा दोनों की स्वायत्त सत्ता को महत्व दिया गया है 73वें व 74वें संविधान संशोधन के बाद से स्थानीय निकाय (ग्राम एवं नगर) भी तीसरी कड़ी का निर्माण करते हैं।

प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद वह है जब राज्यों के बीच तथा केन्द्र-राज्य के बीच विकास, प्रशासन, अर्थव्यवस्था के तत्वों आदि में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हो परन्तु यह स्वस्थ एवं स्पष्ट दिशा में हो।

अच्छी शुरुआत

यदि प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद निवेश और प्रतिभा को निम्नलिखित तरह से आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है-

- विभिन्न राज्य अपने यहाँ इन्फ्रा स्ट्रक्चरों का तीव्र विकास करते हैं जैसे- सड़क, बिजली, पानी आदि का
  उदाहरण- दक्षिण तथा पश्चिमी राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र,

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

तमिलनाडु तथा केरल में इन्फ्रा का अच्छा निर्माण हुआ है जिससे वहाँ निवेश भी बढ़ा है साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

— विभिन्न राज्य व्यापार अवरोधों, प्रशासनिक संबंधों, अव्यवस्थाओं को दूर करने का प्रयास करते हैं उदा० के लिए- वर्तमान में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि राज्यों ने ऐसा प्रयास कर निवेश को ही आकर्षित करने का प्रयास किया है।

• आंध्रप्रदेश में प्राप्त ~~%~~ पहले राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण ज़ोन का निर्माण

— विभिन्न सम्मेलनों - आर्थिक, वाणिज्यिक, मीडिया द्वारा अपने राज्य के संसाधनों एवं सुविधाओं का प्रचार आदि द्वारा प्रतिभाओं को आकर्षित करना।

इसके साथ ही आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी के सम्बन्ध में —

— इससे विभिन्न राज्यों में असमानता दिखती है जैसे कुछ राज्यों में तीव्र सेवाएं उपलब्ध है - केरल, तमिलनाडु तो यू. पी. तथा बिहार की स्थिति अच्छी नहीं है।

— इससे सेवाओं की गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

— संसाधनों की सीमितता है ऐसे में सेवाओं का ह्रास हो सकता है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग आदि।

परन्तु इसके साथ ही अन्य पहलू भी हैं –

- प्रतिस्पर्धी संघवाद से स्वस्थ प्रतिस्पर्धा इससे सेवाओं में सुधार की संभावना है।
- इससे सेवाएं त्वरित एवं कम समय पर मिल सकती हैं।

सुझाव प्रस्तुत करें।

अतः कहा जा सकता है कि प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद से सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ते हैं परन्तु प्रशासनिक, राजनीतिक कुशलता को बढ़ाकर तथा प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद के अनुपालन से सुधार कर राज्यों का विकास किया जा सकता है।

5½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	2½	1½	¼	½	¼	
Grade	A	A	B	B	A	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

2. "परिचालन में नकदी का अनुपात बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में भी इजाफा होता है।" पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय (Transparency International) द्वारा किये गए इस आकलन की भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए हालिया विमुद्रीकरण के संदर्भ में पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Increased ratio of cash in circulation also increases corruption related cases." Substantiate this assessment conducted by transparency international in the context of recent demonetization in the Indian economy. (250 words) 12.5

विमुद्रीकरण से पहले भारत में लगभग 98% तक नकदी का इस्तेमाल लेन-देन में होता है परन्तु इसके बाद स्थिति में क्रमशः सुधार हुआ है लेकिन अब भी नकदी का अनुपात ज्यादा है इससे –

- कालाधन छुपाया जा सकता है
- जाली नोटो की मात्रा बढ़ती है
- कर संबंधी अपवंचन तथा चोरी को बढ़ावा मिलता है
- रिश्वत के मामले बढ़ते हैं
- नोटो का एकत्रीकरण एवं संग्रहण
- कृत्रिम अभाव पैदा हो जाता है।

(भ्रष्टाचार बोध सूचकांक में भारत की स्थिति का उल्लेख करें)

इसके कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है इसलिए कैशलेस को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा 8 नवम्बर 2016 को 500 तथा 1000 रुपये के नोट बंद कर विमुद्रीकरण किया गया। विमुद्रीकरण से –

- कालाधन पर लगाम लगेगी
- आतंकी फंडिंग रुकेगी उदा.- कश्मीर में पत्थरबाजी में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कमी आई।

- डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा
- जाली नोट अर्थव्यवस्था से बाहर होंगे

परन्तु विमुद्रीकरण से इतना लाभ नहीं हो पाया क्योंकि -

- लोगों को जागरूकता का अज्ञान था
- दूसरे के अकाउंट में पैसा जमा करा दिया
- नोटों को जलाया गया

इसलिए सरकार को क्या प्रयास करना चाहिए -

- जन धन जैसी योजनाओं को और गतिशीलता दे
- वित्तीय साक्षरता को बढ़ाए - डिजिटल वित्तीय साक्षरता
- जाली नोटों पर अंकुश के लिए कुशल प्रशासनिक तंत्र का निर्माण
- रूपे कार्ड, भीम एप आदि में भागीदारी को बढ़ाए।

इन उपायों को अपनाकर कैशलेस इकोनॉमी का निर्माण किया जा सकता है जिससे अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता तथा स्वच्छता आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सकेगा।

अधिक नकदी किस प्रकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है? क्या भारत में अधिक नकदी होने के कारणों का उल्लेख है?

आवश्यक विषय वस्तु की चर्चा नहीं की गई है।

3

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3. "न्यायसंगत समाज में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी देने की आवश्यकता है।" कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"In a justified society there is a need to guarantee minimum income to each person." Critically explain the statement. (250 words) 12.5

भारत में एन. एस. एस. ओ. के सर्वे मे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि ऊपर के 10% लोगो के पास देश की लगभग 76% सम्पत्ति है ऐसे में प्रश्न उठता है कि आय की भिन्नता कितनी ज्यादा होगी। इसलिए एकतरफ उच्च एवं सुविधासम्पन्न वर्ग है तो दूसरी तरफ वंचित एवं कुपोषित वर्ग।

न्याय संगत समाज वह होता है जिसमें सभी की न्यूनतम आवश्यकताएं पूरी होती हो जैसे - भोजन, आवास, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि। इसके लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है - जैसे लिए आवास, स्वच्छ पेयजल कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन आदि।

इसके लिए प्रत्येक को न्यूनतम आय की गारंटी दी जा सकती है -

- गरीबो का चयन कर सीधे उनके खातो में पैसे का इंतजाम
- रोजगार परक योजनाएं चलाकर - समस्याओ का निकाल कर आय की गारंटी देना

आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17 में सार्वभौमिक न्यूनतम आय की चर्चा।

अच्छी शुरुआत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- आय सृजनकारी संपत्तियों का वितरण जैसे- भूमिहीनों को भूमि प्रदान करना
- कौशल विकास कर लोगों को स्वरोजगार की तरफ उन्मुख करना।

परन्तु न्यूनतम आय की गारंटी देने में बाधाएँ भी है -

- गरीबों की पहचान का मुद्दा - क्योंकि कई बार अवांछित समूह लाभ उठाते हैं।
- इतने संसाधन या वित्त की व्यवस्था कहाँ से होगी?
- प्रशासनिक भ्रष्टाचार की समस्या
- लोगों में जागरूकता का अभाव।

सार्वभौमिक न्यूनतम आय के पक्ष एवं विपक्ष में तर्क का स्पष्ट उल्लेख हो।

न्यूनतम आय की गारंटी देने के लिए निम्न उपायों पर विचार किया जा सकता है -

- वित्तीय साक्षरता बढ़ाई जाए ताकि लोगों को लेन-देन संबंधी जागरूकता हो।
- सार्वभौमिक न्यूनतम आय जैसे योजनाओं को लागू कर
- डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर उदा० पहल जैसी योजनाओं के रूप में।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, बेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यदि उपरोक्त मुद्दों पर विचार कर लोगों को न्यूनतम आय की गारंटी दी जाती है तो निश्चित रूप से वंचित वर्गों जैसे- महिला, दलित, वृद्ध, सीमांत किसान आदि को ऊपर उठाकर समावेशी विकास का रास्ता तैयार किया जा सकता है।

संतुलित निष्कर्ष लिखिए।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	½	1	1	½	½	½	
Grade	B	C	C	C	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. निर्यात की मात्रा विभिन्न आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कारकों से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 'निर्यात संवर्द्धन' के लिये उठाए गए विभिन्न कदमों की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Export volume is affected by various internal and international factors. In this context discuss the various steps taken by the government of India for 'Export Promotion'. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक देश द्वारा अन्य देशों को वस्तुओं एवं सेवाओं का प्रेषण निर्यात कहलाता है। निर्यात की मात्रा को विभिन्न आंतरिक तथा अन्तर्राष्ट्रीय कारक प्रभावित करते हैं। आंतरिक कारकों में –

- विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन की मात्रा क्या है – उदा० कृषि उत्पाद, औद्योगिक वस्तुओं का उत्पादन बढ़ रहा है या नहीं।
- वस्तुओं एवं सेवाओं की गुणवत्ता
- राज्यों की क्षमताएं – इंफ्रा, मानव संसाधन आदि।
- सरकार की योजनाएं जैसे- सेज, कर संबंधी छूट

अंतर्राष्ट्रीय कारकों में –

- वस्तु एवं सेवा की मांग दूसरे देशों में कितनी है
- व्यापार संबंधी नियम कैसे हैं – मुक्त व्यापार या प्रतिबंधित व्यापार है।
- वस्तुओं एवं सेवाओं की गुणवत्ता का स्तर
- अवमूल्यन तथा अधिमूल्यन
- निर्यात प्राप्त करने वाले देश में मंदी जैसी

उत्पादन क्षमता

- राष्ट्रीय आय
- अनुदान
- विनिमय दर
- मुद्रास्फीति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समस्याएँ न हो।

इसलिए आंतरिक तथा बाह्य दोनों ही कारक प्रभावित करते हैं किसी भी देश का जन्य अपने निर्यात को बढ़ाना तथा आयात को कम करना होता है जिससे चालू खाता का घाटा कम होता है और व्यापार इसके पक्ष में रहता है इसीलिए भारत सरकार द्वारा निर्यात संवर्द्धन को बढ़ाना देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गये है—

कृषि एवं उद्योग संबंधी इन्फ्रा सुविधाओं का विकास जैसे - सड़क, बिजली, पेयजल पानी, बैंकिंग, बीमा आदि।

स्पेशल इकोनॉमिक जोन की स्थापना कर विभिन्न कर छूट निर्यातकों को दी है।

तटीय क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का विकास तथा बंदरगाहों पर औपचारिकताएँ कम करना।

मानव संसाधनों की कुशलता बढ़ाना

#. GST लागू करना ताकि कर संबंधी जटिलताएँ कम हो।

प्रणालों की ओर चर्चा करें।

वैश्विक व्यापार में भारत की कम भागीदारी के कारणों का भी उल्लेख करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

इस तरह सरकार तथा निजी क्षेत्र दोनों की भागीदारी से निर्यात को बढ़ावा देकर न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है अपितु ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस को मूर्त रूप देकर आकर्षक निवेश स्थल भी भारत बन सकता है।

सुझाव की प्रस्तुति ठीक है

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	B	C	B	C	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. "यद्यपि भारतीय उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं परंतु आधारभूत उद्योगों में से एक उर्वरक उद्योग अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में भी निरंतर अक्षम रहा है।" कथन के संदर्भ में भारतीय उर्वरक उद्योग के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का विवरण दें तथा इनसे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although Indian industry is growing steadily but the fertilizer industry being one of the basic industries, has been consistently unable to fulfill its domestic needs." In the context of the statement, describe the challenges before the Indian fertilizer industry and discuss the measures to deal with them. (250 words) 12.5

उद्योग-धंधे किसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हैं भारत में आधारभूत, पूंजीगत, विनिर्माण सभी उद्योगों का विकास किया गया है तथा ये कुशलता पूर्वक कार्य भी कर रहे हैं।

आधारभूत उद्योगों में पेट्रोलियम, सीमेंट, उर्वरक, कोयला, पाइपलाइन, बिजली, गैस आदि आते हैं। इन उद्योगों में उर्वरक उद्योग की स्थिति संतोषजनक दिखायी नहीं पड़ती।

उर्वरक आवश्यकता की वर्तमान स्थिति का उल्लेख करें।

हरित क्रांति के बाद से उर्वरक की मांग देश में तेजी से बढ़ी है —

- हरित क्रांति का एक आधार उर्वरक भी था
- सिंचाई सुविधाओं का विकास
- कृषकों को संस्थागत ऋण की प्राप्ति
- विभिन्न उर्वरक उद्योगों की स्थापना - फास्फेटिक तथा नाइट्रोजनी आदि।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में फास्फेटिक तथा नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों का उत्पादन किया जाता है परन्तु हम इनका आयात भी करते हैं इनके समक्ष चुनौतियाँ –

– कच्चा माल की उपलब्धता कम है जैसे- फास्फेट के भंडार सीमित क्षेत्रों में।

नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक कच्चा तेल, विद्युत संयंत्रों पर निर्भर करता है जिनकी कमी है देश में।

– पुरानी मशीनरी का प्रयोग

– देश में असमान वितरण जैसे- पूर्वी भारत में इसका संकेन्द्रण

– सरकार की नीतियां एवं सब्सिडी का मुद्दा

– वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुकूल उत्पादन की गतिविधियाँ नहीं।

• विदेशी बाजार में आपूर्ति
• अंतर्राष्ट्रीय बाजार
आपूर्ति

इसलिए उर्वरक उद्योग को सक्षम बनाने के लिए निम्न उपाय करने होंगे –

— उर्वरक उद्योगों के रासायनिक उद्योग से जैविक उर्वरक उद्योगों की तरफ मोड़ना।

– कच्चा माल की उपलब्धता बढ़ाना।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- सान्द्रिडी में संक्षित सान्द्रिडी को अपनाना।
- उर्वरक के उपयोग संबंधी जागरूकता, NPK अनुपात को संतुलित करना।
- पूर्विका नीति का दुरुस्त क्रियान्वयन

• निवेश को बढ़ाना
• अनुसंधान और विकास

चूंकि उर्वरक द्वारा ही कृषि उत्पादन को बढ़ाकर खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है अतः स्वस्थ एवं पोषित भारत हेतु उर्वरक उद्योग को नयी दिशा देनी ही होगी।

सरकार के प्रयासों का भी उल्लेख करें

5

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	2 1/2	1 1/2	1/4	1/4	1/4	
Grade	B	A	B	C	C	C	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की राह में दलहन समस्या मुख्य बाधा है। इस बाधा पर चर्चा कीजिये और बताएँ कि इसे कैसे दूर किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

Pulses Problem is the main obstacle in the path of ensuring nutritional security ahead of food security. Discuss this obstacle and tell how it can be overcome. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खाद्य सुरक्षा से तात्पर्य है कि सभी को प्रत्येक समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता हो। चूंकि देश में लगभग 45% बच्चे कुपोषण का शिकार है तथा दूना आबादी भर पेट भोजन नहीं कर पा रही है अतः खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा की बात महत्वपूर्ण मुद्दा है।

पोषण सुरक्षा की प्राप्ति हेतु खाद्यान्नों, पेयजल के साथ ही साथ दालों की आवश्यकता है परन्तु देश में पिछले वर्ष आयात हुई दालों की कीमतों ने लोगों की थाली से दाल को गायब ही कर दिया।

इसके साथ ही पोषण सुरक्षा में दाल की भूमिका प्रोटीन उपलब्धता तथा कुपोषण समस्या में बहुत ही महत्वपूर्ण है। हमारी आधी जनसंख्या कृषि पर निर्भर है अतः इसका महत्व स्वतः ही बढ़ जाता है। दलहन की समस्या —

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

- MSP का निर्धारण गेहूं तथा धान के पक्ष में होता रहा जिससे दलहनों का उत्पादन घटता गया।
- सिंचाई सुविधाओं का अभाव
- नकदी फसलों जैसे - गन्ना, कपास का बढ़ता उत्पादन
- दलहन अनुसंधान पर कम खर्च

दलहन क्षेत्र की समस्याओं की और चर्चा करें।

इन कारणों से दलहन का उत्पादन घटता चला गया और समस्या बढ़ती गई इसलिए इन समस्याओं से निपटने हेतु —

- MSP में दलहन को भी शामिल किया जाये।
- आधारभूत संरचना जैसे - उर्वरक, सिंचाई, नये बीज की उपलब्धता बढ़ायी जाये।
- कालाबाजारी को रोका जाये।
- म्यांमार तथा मोजाम्बिक जैसे देशों से संबंध बेहतर कर आयात किया जाये।
- लोगों की क्रय शक्ति क्षमता को बढ़ाया जाये तथा इस के विकल्प उपलब्ध कराये जाये।

- बाजार तक स्वतंत्र पहुँच
- परिवहन, भंडारण
- इसका संवर्द्धन
- PPP पर बल

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सरकारी प्रयासों का उल्लेख करें।

इन उपायों को अपनाकर देश ने दालों का उत्पादन की समस्या का समाधान कर पोषण सुरक्षा एवं खाद्य सुरक्षा दोनों को प्राप्त किया जा सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1/2	1 1/2	1/4		1/4	
Grade	A	B	B	B		B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

7. "प्रथम विश्व युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलताएँ ही द्वितीय विश्व युद्ध का मूल कारण सिद्ध हुई।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The weaknesses of the international order in the time of post World War I were proved the root cause of World War II." Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्वयुद्ध में मित्र शक्तियों जैसे -ब्रिटेन, फ्रांस ~~रूस~~ आदि की जीत हुई तथा धुरी राष्ट्रों जर्मनी, आस्ट्रिया की पराजय। इसके बाद पराजित राष्ट्रों के साथ अलग-अलग संधियां कर ~~उन~~ पर जुर्माना या क्षतिपूर्ति को वसूला गया। यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि ~~वे~~ दुर्बलताएं ही द्वितीय विश्व युद्ध का कारण बनी —

प्रभावी भूमिका लिखें।

- प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित राष्ट्र संघ एक दुर्बल संगठन था, अमेरिका तथा रूस इसमें शामिल नहीं हो ~~सके~~ या हुए।
- जर्मनी के साथ की गई वर्साय की संधि दुर्भावनापूर्ण थी स्वयं ब्रिटेन इस बात को स्वीकारता था।
- इसी प्रकार इटली के साथ सैव्रे की संधि, टर्की के साथ न्यूली की संधि आदि भी गलत एवं

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अनुचित लाभों पर आधारित थी।

- विश्व आर्थिक व्यवस्था स्तर दो पायों पर टिकी थी जिसका परिणाम 1929-31 की मंदी के रूप में सामने आया।

- साथ ही संधियों में कहने में तो एकता दिखाई गई परंतु क्रियान्वयन के मुद्दे पर मतभेद उभर आये - मित्र राष्ट्रों में।

परंतु इसके साथ ही कुछ अन्य कारण भी थे जिनके कारण द्वितीय विश्व युद्ध हुआ -

• निरस्त्रीकरण पर राष्ट्रसंघ की विफलता

- जर्मनी की साम्राज्यवादी सोच का निरंतर बढ़ना तथा फासीवादी एवं नाजीवादी ताकतों का उदय।

- मित्र राष्ट्रों द्वारा विशेषकर ब्रिटेन द्वारा जर्मनी के प्रति अपनायी गई तुष्टिकरण की नीति।

- आर्थिक मंदी से अर्थव्यवस्था चरमरा उठीं।

- तात्कालिक कारण के रूप में जर्मनी का पोलैण्ड पर आक्रमण।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इस प्रकार देखते हैं कि प्रथम विश्व युद्ध का विनाश या भयानक चरण द्वितीय विश्व युद्ध के रूप में दिखाई देता है लेकिन अन्य तत्वों ने भी द्वितीय विश्व युद्ध को गति प्रदान की थे है - उग्र दक्षिणपंथी विचारों का उदय, साम्राज्यवादी नीतियाँ आदि।

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1 1/2	1 1/2	1/2		1/4	
Grade	C	B	B	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. "फ्राँस की क्राति वैचारिक एव आर्थिक रूप से सशक्त होते समाज के असंतोष की अभिव्यक्ति मात्र थी।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The french revolution was an expression of discontent of the ideologically and financially empowering society." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांस की क्रांति विश्व इतिहास की अति महत्वपूर्ण घटना है जिसने न केवल फ्रांस एवं यूरोप को अपितु संपूर्ण विश्व को प्रभावित किया। फ्रांस की क्रांति के बीज हम अमेरिकी क्रांति में ही देख सकते हैं जिसने उपनिवेश मुक्ति का प्रथम आंदोलन लड़ा था।

अच्छी शुरुआत है

फ्रांस की क्रांति वैचारिक एवं आर्थिक होते समाज के असंतोष की अभिव्यक्ति -

- अमेरिकी क्रांति से लड़कर जो सैनिक फ्रांस लौटे थे उनमें समानता, बंधुत्व जैसे भाव पनप रहे थे।
- रूसो, वाल्टेयर, दिदरो आदि चिंतकों ने भी वैचारिक आधार प्रदान किया।
- यद्यपि फ्रांस आर्थिक प्रगति कर रहा था परन्तु 1770 के बाद आर्थिक वृद्धि में अवसान आने लगा था तथा वस्तुओं की कमी पड़ने लगी थी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— विशेषाधिकार विहीन वर्ग था जैसे एलेक्ट जिसमें किसान एवं कारीगर श्रमिक थे अब शोषण को सहन को तैयार न थे।

परंतु वैचारिक एवं आर्थिक कारणों के अतिरिक्त अन्य कारण भी थे —

फ्रांस की राजसत्ता निरंकुश हो चली थी तथा अपने पास अधिक अधिकार रखना चाह रही थी।

कुलीन वर्ग तथा पादरी वर्ग स्वयं न तो कर देता था न ही कोई उत्पादन करता था जनता इनसे बहुत प्रताड़ित थी।

सामाजिक दृष्टि से विभिन्न वर्गों में मतभेद था विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग एवं विशेषाधिकार विहीन वर्ग में।

इसलिए इन सभी कारणों ने मिलकर फ्रांस में क्रांति का बिगुल बजा दिया जो 1789 में प्रारंभ होकर 1799 तक नेपोलियन के उदय तक चलती रही। फ्रांस यूरोप का एक ऐसा देश है जिसके बारे में कहा जाता है कि यदि इसे

क्रांति के प्रभावों का स्पष्ट उल्लेख करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

छींक भी आती है तो शेष यूरोप को जुकाम हो जाता है। इसलिए इस क्रांति ने यूरोप के अन्य देशो में भी क्रांति का आधार तैयार कर दिया

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/2	1 1/2	1 1/2	1/4		1/4	
Grade	A	B	B	C		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. जैसे सूर्य की किरणें समस्त संसार में विकसित होती हैं, चाहे आगे या पीछे, वैसे ही प्रज्ञा का प्रकाश किसी एक महाद्वीप तक कैसे सीमित रह सकता है? पुनर्जागरण के दौरान उपजे विचार के संदर्भ में उक्त कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

As the rays of the sun spread throughout the world, whether early or later similarly, how the light of intelligence can be confined to one continent? Discuss the above statement in relation to the idea that was developed during the Renaissance. (250 words) 12.5

पुनर्जागरण काल यूरोप इतिहास में युगांतकारी घटना है यह मध्यकाल की जड़ता, अधीनता एवं निद्रा को भंग कर एक नये समाज, राष्ट्र का निर्माण करने वाली शक्ति का नाम है। पुनर्जागरण के कारक -

- धर्म सुधार तथा प्रोटेस्टेन्ट आंदोलन
- भौगोलिक खोजो का प्रारंभ होना
- व्यवसायिक क्रांति तथा प्रबोधन का प्रभाव।

यद्यपि पुनर्जागरण यूरोप की घटना है परन्तु इसका प्रभाव वैश्विक रहा -

- उसने नवीन खोजो का रास्ता तैयार किया जिससे अमेरिका तथा एशिया महाद्वीप का महत्व पता चला।
- इसके द्वारा भारत में भी नवजागरण का आधार तैयार कर दिया गया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- पुनर्जागरण की अभिव्यक्ति व्यक्तिवाद के विकास के रूप में हुई जिसने मध्यवर्ग को जन्म दिया
- पुनर्जागरण ने ही अमेरिका तथा फ्रांस की क्रांति का आधार तैयार किया था।

• कला एवं साहित्य का विकास

- बाद में इंग्लैण्ड तथा अन्य देशों में घटित औद्योगिक क्रांति इसी की देन कहा जा सकता है।
- व्यक्तिवाद, तर्कवाद, मानववाद एवं विज्ञानवाद ने नवीन विचारों का प्रेषण पूरे विश्व में किया।

इसलिए पुनर्जागरण काल के दौरान घटित घटनाओं एवं उनके विचारों ने प्रत्येक देश को कम या अधिक मात्रा में प्रभावित किया तथा आगे चलकर उपनिवेश उन्मूलन आंदोलन भी इससे अछूता न रहा।

सराहनीय प्रयास

5/2

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. गुटीय राजनीति के काल में तृतीय विश्व के देशों की एकता व अखण्डता बनाए रखने में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the role of Non-aligned movement to keep maintaining unity and integrity of third world countries in the time of factional politics. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मित्रराष्ट्रों की एकता खंडित हो गयी वहीं नवीन आजाद हुए राष्ट्रों ने एकता को सृजित किया जिसकी अभिव्यक्ति गुटनिरपेक्ष आंदोलन के रूप में दिखती है। इसकी आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से थी–

गुटनिरपेक्षता को परिभाषित करें।

- साम्यवादी तथा पूंजीवादी किसी विचारधारा को अपने पर थोपने से रोकने हेतु
- सैनिक सैन्य गुटों से दूरी बनाना।
- अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का निर्माण तथा आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करना।
- तटस्थता से बचना तथा गतिशीलता को बढ़ाना

इन कारणों से भारत प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंडोनेशिया के प्रधानमंत्री सुकर्णो तथा मिस्र के नासिर आदि ने मिलकर तृतीय विश्व के देशों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को एकत्र कर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी।

इस आंदोलन ने इनके महत्व एवं आवश्यकता को बढ़ाया दिया -

- दक्षिण - दक्षिण सहयोग को बढ़ावा दिया
- अपने संसाधनों का स्वयं विकास के लिए उपयोग
- उत्तर के देशो से संवाद बढ़ाने में सहयोग मिला
- निशस्त्रीकरण तथा पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर सहयोग
- संकटग्रस्त राष्ट्रों की सहायता में सहयोग जैसे- अफ्रीका के देशो की।
- विभिन्न आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक तत्वों में सहयोग

आंदोलन एक सकारात्मक प्रभाव की ओर चर्चा करें।

इसके कारण गुटनिरपेक्ष आंदोलन में एक एक कर 120 देश तक पहुँच गये तथा पूंजीवादी एवं समाजवादी देश स्वयं इससे सहयोग की अपेक्षा करने लगे परन्तु कुछ समस्या भी थी -

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

– ये देश आर्थिक दृष्टि से कमजोर थे
– विश्व मंच पर एकता न दिखा पाये
– किसी न किसी विश्व शक्ति के प्रभाव में रहे)

परन्तु जो भी हो यह आंदोलन तृतीय विश्व के देशों के विकास का आधार रहा है तथा इसने अपनी प्रगतिशीलता निरन्तर बनाये रखी है।

आंदोलन की विसंगतियों की कौन-कौन्सी

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1 1/2	1 1/2	1/4		1/4	
Grade	C	B	B	B		C	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

11. राज्य के नीति निर्देशक तत्त्वों का क्रियान्वयन किस सीमा तक किया गया है? इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आप किस प्रकार के तरीकों का सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

To what extent the DPSP have been implemented? Critically examine it and what types of method would you suggest for their effective implementation? (250 words) 12.5

हमारे संविधान के भाग IV में नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान है। ये राज्य को दिये गये सकारात्मक आदेश हैं जिनके आधार पर नीतियों, योजनाओं को बनाया जाता है यद्यपि ये सरकार पर बाध्य नहीं है तथा न्यायालय में इनके लिए जाया नहीं जा सकता है।

आजादी से आज तक इनका क्रियान्वयन –

- शिक्षा का अधिकार अनु॰ 45 में था इसे अनु॰ 21क के तहत मूल अधिकार बनाया गया तथा निःशुल्क प्राथमिक शिक्षा का प्रावधान।
- अनु॰ 38 तथा 39 समाजवादी तत्वों से प्रेरित है इनका क्रियान्वयन विभिन्न स्तरों पर किया गया जैसे – अर्थव्यवस्था को एक स्थान पर संग्रहित होने से रोकना, रोजगार संवर्द्धन आदि।

नीति निर्देशक तत्वों के संदर्भ में तथ्यों को और स्पष्ट करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

- लोककल्याणकारी राज्य के रूप में निःशक्त जनों, विकलांगो आदि को सहायता देना अनु० 43 का भी क्रियान्वयन है जैसे - इकारा, स्वास्थ्य मिशन, आदि।

- पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा हो या उद्योग में कर्मचारियों की भागीदारी का प्रश्न सभी में तेजी आ रही है - तटीय सेवा, बिगुडा आदि तक निर्माण जाता।

- गांवों का विकास - पंचायती राज का सपना अनु० 73 तथा 74 वे संशोधन तक पूरा किया गया।

- पशुओं का नस्लीय सुधार हेतु वैज्ञानिक प्रावधान रैड जैसे गये।

परन्तु इसके साथ ही समस्याएं भी हैं -

- समान आचार संहिता को आज तक लागू नहीं किया जा सका - अनु० 44

- आज भी समाज में गरीब - अमीर की खाई बढ़ती जा रही है ऊपर के 1% लोग 53% सम्पत्ति के मालिक हैं।

42वें संविधान संशोधन के संदर्भ में और चर्चा करें।

संगठनों के संदर्भ में समन्वय को और स्पष्ट करें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

— वंचितों को समान अधिकार या सुविधाएँ नहीं मिली है।

इसके लिए निम्न प्रयास करने होंगे —

— समाज को जागरूक कर स्वयं सशक्त एवं समानता करना।

— राज्यों की संलग्नता वृद्धि हो जिससे वह इन्हें लागू कर सके जैसे - GST जैसे सुधार

— नागरिक समाज को सशक्त किया जाए।

— सकल आधार संहिता पर अधिक ध्यान दे आगे बढ़ना

इन उपायों को अपनाकर निश्चित तौर पर नीति निर्देशक तत्वों को लागू कर लोककल्याणकारी राज्य का सपना साकार किया जा सकता है।

निष्कर्ष

2½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	—	—	
Grade	C	C	C	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में दिनोंदिन परिपक्व होती भारतीय राजनीति में दबाव समूहों की प्रासंगिकता अब नगण्य हो गई है। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In this era of globalization and liberalization the relevance of the pressure groups in Indian politics, which is being matured day by day has became negligible. Critically explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आज वैश्वीकरण एवं उदारीकरण का युग है जिसने भारतीय राजनीति को प्रभावित किया है तथा इसे नयी दिशा भी दी है -

- इससे निचले स्तर तक जागरूकता नही है।
- मताधिकार के प्रति लोग सचेत हुए हैं।
- गांव का व्यक्ति विश्व की घटनाओं से प्रेरित हो रहा है
- विश्व नागरिक की संकल्पना का विकास।

दबाव समूह ऐसे नागरिक समाज होते हैं जो विभिन्न वर्गों, समुदायों के लोगो का इकट्ठा कर अपने हितों की पूर्ति करते है। दबाव समूह -

- प्रत्यक्ष राजनीति में भाग नही लेते
- कल्याण हेतु जनता को जागरूक करते है
- सरकार पर अपने समूह के कल्याण हेतु दबाव बनाते हैं।

परन्तु आज वैश्वीकरण के युग में इनका

दबाव समूहों के संदर्भ में भूमिका को और स्पष्ट करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

महत्व कुछ घटा है

- नागरिक, राष्ट्र नागरिक के प्रति जागरूक हुआ है।
- दबाव समूहों के बीच वैचारिक मतभेद के कारण
- सीमित तौर पर समर्थन जनमत का जाति या वर्ग विशेष के ही कल्याण की बात करते हैं।
- मीडिया की बढ़ती भूमिका तथा नागरिक समाज आदि
- ज्ञान, शिक्षा, विकास को महत्व देना।

इसके बावजूद भारतीय राजनीति में इनका महत्व हुआ भी है—

- चुनाव के दौरान जनमत को मोड़ने में।
- दलों की वित्तीय व्यवस्था को दुरुस्त करने में।
- सरकार की नीतियों को बदलने में।

इसलिए हम कह सकते हैं कि यद्यपि आज दबाव समूह कुछ कमजोर भले ही हो गये हों परन्तु प्रत्येक राजनीतिक दल को प्रभावित करने में यह आज भी इनकी भूमिका है अतः आवश्यकता है

दबाव समूह की प्रासंगिकता के संदर्भ में और चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कि केवल समृद्ध जनता के हितों को सर्वोपरि महत्व देकर ही प्रासंगिक हो सकता है।

2½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1/2	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	C	D	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को सुनिश्चित करने हेतु संवैधानिक एजेंसी के रूप में प्रतिस्थापित है परंतु हाल ही में उभरे अनेक विवादों ने इसकी शक्ति एवं निष्पक्षता के विषय में अनेक सवाल खड़े किये हैं। इन विवादों पर चर्चा करते हुए बताएँ कि चुनाव आयोग को कैसे 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में मज़बूत बनाया जाए? (250 शब्द) 12.5

As a constitutional agency fair and independent election commission has established to ensure the dignity of Indian democracy but several controversies emerged recently have raised many questions about its power and fairness. Discuss these controversies and explain that how can the election commission be strengthened as a 'Watchdog of Democracy'? (250 words) 12.5

चुनाव आयोग अनु. 324 के अंतर्गत एक संवैधानिक संस्था है तथा इसे लोकतंत्र के प्रहरी की संज्ञा दी जाती है इसके कार्य –

भूमिका में और स्पष्ट करें।

- स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव करवाना
- निर्वाचक नामावलियाँ तैयार करना
- राजनीतिक दलों को मान्यता देना
- विभिन्न दलों के बीच चुनाव चिन्ह आवंटन करना तथा विवादों को सुलझाना।

चुनाव आयोग ने विधान सभाओं, [illegible] से लेकर राष्ट्रपति के चुनाव में अपनी निष्पक्ष भूमिका का प्रतिपादन किया है इसी का परिणाम है कि कई यूरोपीय तथा अमेरिकी एजेंसियाँ भारतीय लोकतंत्र पद्धति का अध्ययन करने के लिए आती हैं।

लेकिन हाल ही में इसके सामने विभिन्न

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

विवाद पैदा हुए है तथा इस पर कार्यों एवं निष्पक्षता को लेकर प्रश्न चिन्ह भी लगाये गये -

— कुछ राज्यों में बोटिंग के दौरान हिंसा।

— चुनाव चिन्ह आवंटन में पक्षपात का आरोप जैसे - यू. पी. चुनाव से पहले।

— अधिक बाध्यकारी शक्तियां न होना

— आतंक प्रशासनिक तंत्र का अभाव।

— राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों की अतिरिक्त जांच।

इसलिए इसकी कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाये गये अतः इसको मजबूत करने हेतु -

— चुनाव आयोग को पूरे भारत की प्रथम चुनाव प्रणाली पर नजर रखनी होती अतः सदस्यों की संख्या बढ़ायी जाये।

— चुनाव आयोग को अपनी प्रशासनिक मशीनरी उपलब्ध करायी जाये।

— इसे चुनाव संबंधी कुछ दंड लगाने का अधिकार हो जिससे नियत पुरस्कार मिले।

इन कार्यों से चुनाव आयोग को

चुनाव आयोग के कार्यों की और चर्चा करें

प्रयासों को और स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

समाप्त कर आसानी से लोकतंत्र की जड़ों को गहरा किया जा सकता है।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1½	1/4	1/4	—	
Grade		B	B	C	B		

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

15. अनुसूचित जाति उप-योजना एवं जनजातीय उप-योजना दो नीतिगत साधन हैं जो स्पष्ट रूप से अतीत के अनावश्यक पदानुक्रमों को समाप्त करने, अनुसूचित जाति/जनजाति के सशक्तीकरण में तेज़ी लाने और न्यायसंगत समाज के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिये तैयार हैं। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Scheduled cast sub-plan and tribal sub-plan are two policy instruments which are clearly ready to eliminate the redundant hierarchies of the past, to accelerate the empowerment of schedule castes/tribes and to clarify the vision of the equitable society. Critically explain. (250 words) 12.5

भारतीय समाज में वंचित वर्गों में अनुसूचित जाति तथा जनजाति की स्थिति बेहद दयनीय है इसलिए इनके विकास के लिए संवैधानिक प्रावधान से लेकर विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है ताकि उन्हें विकास की मुख्य धारा में जोड़ा जा सके।

अनुसूचित जाति उप योजना, अनुसूचितों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है —

- इनमें जागरूकता बढ़ाना जैसे- शिक्षा, ज्ञान, संपर्क के प्रसार द्वारा।
- स्थानीय संसाधनों द्वारा स्वरोजगार संवर्धन करना। संस्थागत ऋण तक पहुँच सुनिश्चित करना
- ऊपर के लोगो द्वारा किये जाते रहे शोषण से मुक्ति।

इसी तरह जनजातीय उप योजना योजनी

संवैधानिक सुधारों के संदर्भ में और चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

पंचवर्षीय योजना में प्रारम्भ की गई –

- जनजातियों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता।
- इनके वन अधिकारों को सुरक्षित करना।
- स्थानीय संसाधनों पर आधारित लघु उद्योगों का विकास।
- इन्हें आवासीय निवास की सुविधा देना।

संबंधित तथ्यों की ओर चर्चा करें

परन्तु इन दोनों ही योजनाओं के क्रियान्वयन में समस्याएं रही हैं –

- असंगठित समूहों द्वारा उपयोग – लाभ प्राप्त करना
- कुपोषण की स्थितियां नहीं सुधरी
- प्रशासनिक जटिलताओं से लाभ नहीं पहुंचा
- गरीबी, बीमारी, बेरोजगारी आज भी इनके यहाँ ज्यादा है।

अतः आवश्यकता इस बात की है कि समुचित नीति निर्माण एवं बेहतर क्रियान्वयन कर के तथा पंचायती राज को सशक्त कर इन समुदायों

3

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विकास करना चाहिए।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	C	C	C	B	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. सार्वजनिक संस्थाएँ समाज में अंतिम छोर तक न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक सेतु की तरह कार्य करती हैं; परंतु कमज़ोर होती ये संस्थाएँ भारतीय सामाजिक न्याय व्यवस्था को और कमज़ोर कर रही हैं। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

To ensure justice till the end, public institutions work like a bridge in the society; but these weakening institutions are making the Indian social justice system more weaker. Discuss. (250 words) 12.5

किसी भी देश में सार्वजनिक संस्थाओं की भूमिका सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने में अतिमहत्वपूर्ण होती है।

सार्वजनिक संस्थाएं ऐसी संस्थाएं हैं जो जिसमें सरकार की भागीदारी होती है तथा ये लोक कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध होती हैं। इनके द्वारा –

- योजनाओं, परियोजनाओं तथा नीतियों का क्रियान्वयन ग्राम स्तर लेवल तक किया जाता है।
- यह उत्तरदायी तथा जवाबदेही होती हैं जनता के प्रति।
- यह 'बाटम टू टाप' एप्रोच विकास को सुनिश्चित कर जन भागीदारी को बढ़ावा देती है।
- यह सार्वजनिक वित्त एवं संसाधन का कुशलतापूर्वक प्रयोग करती हैं।

भूमिका ?

सामाजिक न्याय को और स्पष्ट करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

परन्तु इन संस्थाओं में निम्नलिखित समस्याएं विद्यमान हैं –

– ये भ्रष्टाचार के अड्डे हो गये हैं।

– संसाधनों का उचित आवंटन निचले स्तर तक नहीं हो पाता।

– इनमें पारदर्शिता का अभाव है।

– लालफीताशाही तथा नौकरशाही हावी है।

इसके कारण आज भी गरीब की हालत और भी पतली होती जा रही है जिससे देश में भारत - इंडिया की खाई बढ़ रही है इसलिए सार्वजनिक संस्थाओं का सुधार अति आवश्यक है –

– इनकी सेवाओं को समयबद्ध किया जाये।

– सिटीजन चार्टर को लागू करना।

– मीडिया, नागरिक समाज की भागीदारी हो

– सामाजिक लेखा परीक्षण हो।

इस प्रकार इन कदमों को अपनाकर इन संस्थाओं को जनोन्मुख किया जा सकता है

→ संबंधित चुनौतियों और समाधानों की और चर्चा करें।

3

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी, परिषद को राजनीतिक संघर्ष का मैदान बनाने में कहाँ तक सफल हुए तथा परिषद में प्रवेश न करने के संबंध में अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? स्वराज दल के पतन के कारणों को लिखें। (250 शब्द) 12.5

Discuss how far Swarajists were successful in making council as an arena for political struggle and what were the arguments of No-changers against council entry? Write down the cause to the decline of Swaraj Party. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

असहयोग आंदोलन के बाद देश में राजनीतिक गतिविधियाँ शून्य हो गयी थी तथा युवा वर्ग हतोत्साहित एवं दिशाहीन था ऐसे में असन्तोष निर्वात को भरने के लिए मोतीलाल नेहरू एवं चितरंजनदास ने स्वराज पार्टी का गठन किया :-

— परिषदों में प्रवेश कर ब्रिटिश सरकार की नीतियों की वास्तविकता को परखना

— राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना

— परिषदों में गतिरोध पैदा करना।

स्वराजियों को चुनावों में सफलता मिली तथा इन्होंने —

— 1925 में विट्ठल भाई पटेल केंद्रीय विधान सभा का अध्यक्ष बनवाया।

— भारतीय जनता की माँगों को परिषद तक पहुंचाया।

स्वराज दल के संदर्भ में संबंधित तथ्यों को और स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

- परिषद के कार्यों में गतिरोध उत्पन्न किया।

परन्तु अपरिवर्तनवादी गांधीवादी नीतियों में विश्वास करते थे तथा रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना चाहते थे इनके तर्क थे –

- राजनीति में पद प्राप्त करने से जनता के संघर्ष को धक्का लगेगा।
- रचनात्मक कार्यों जैसे - मद्यनिषेध, चरखा, छुआछूत विरोध के कार्यों से ध्यान हटेगा।
- परिषदों में लोलुपता तथा धन की आकांक्षा बढ़ेगी।

इसलिए इन्होंने विरोध किया। परन्तु जल्दी ही स्वराजवादियों का पतन हो गया –

- चित्तरंजन दास की मृत्यु का होना
- दल की फूट बढ़ गयी तथा कुछ ने मंत्रीपद स्वीकार कर लिया।
- जनता का संघर्ष नेपथ्य में चला गया तथा राजनीति का जोर केंद्र में आ गया।
- अपरिवर्तनवादियों का अधिक सहयोग न मिलना।

स्वराज दल के संदर्भ में विभिन्न पक्षों मतों की ओर चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

परन्तु इसके बावजूद इन्होंने कम समय तथा तटस्थ समय में एक सक्रियता बनाए रखी जो निश्चित तौर पर अविस्मरणीय योगदान है।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1½	1	1/4	1/4	1/4	
Grade	C	B	C	C	B	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

18. स्वातंत्र्योत्तर भारत में विकास का असमान वितरण लोगों के असंतोष का प्रमुख कारण है तथा उग्र आंदोलनों को जन्म देता है। पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Inequitable distribution of development in post independence era is the major reason of dissatisfaction of people and led to violent movements. Substantiate. (250 words) 12.5

स्वातंत्र्योत्तर भारत में समावेशी विकास को मूर्त रूप न दे पाना असंतोष का प्रमुख कारण है। यह असमान वितरण कई स्तर पर दिखता है –

भूमिका को और प्रभावी लिखें

– कृषि क्षेत्र में – हरित क्रांति के क्षेत्र जैसे पंजाब हरियाणा तथा प. उ. प्र. सम्पन्न है कृषि में अन्य पिछड़े है।

– उद्योग : उद्योगों की दृष्टि से पूर्वी भारत तथा पश्चिमी भारत के नगर आगे है अन्य पिछड़े है।

– सेवा क्षेत्र - नगरों में ही विकास केन्द्रित है अन्य में नहीं – गाँव आज भी बुनियादी ढांचा से वंचित है।

– विभिन्न राज्यों के बीच अंतराल – पश्चिमी तथा दक्षिणी भारत के राज्य सम्पन्न तथा उत्तर के एवं पूर्व के राज्य विपन्न।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

इस असमानता के कारण निम्न समस्याएं हैं —

— कृषि क्षेत्र में अशांति विभिन्न कृषि आंदोलन जैसे मंदसौर की घटना, किसानों में व्याकुलता।

— उद्योग क्षेत्र में अशांति - औद्योगिक क्षेत्रों पर तालाबंदी, हड़ताल तथा उद्योग स्थापना में परेशानियां

— नक्सली समस्या - भूमि सुधारों की असफलता का परिणाम है।

— पूंजीवाद का असमानतावाद विकास को समावेशी न कर पाना।

इसलिए हमें निम्नलिखित उपायों पर बल देना होगा —

— समावेशी विकास
— सतत विकास
— कृषि, अर्थव्यवस्था तथा सेवा क्षेत्र में संतुलन
— विभिन्न राज्यों का समुचित विकास
— क्षेत्रीय असंतुलन को समाप्त करने हेतु

चुनौतियों की ओर सही जगह पर उदाहरण?

3

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

जैसे आयातित ~~[illegible]~~ रणनीतियों का अपनाना आदि।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	1/4	1/2	1	1/4	—	—	
Grade	C	B	C	C			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

19. "गांधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्त्ता, मनुष्यों के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Gandhi is great as a politician, organiser, leader of people and as a moral reformer but he is greater than all these as a man because none of these aspects limits his humanity." Analyse the above statement in the context of Gandhiji. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गाँधी वह पुनर्निर्माता एवं समन्वयकारी पुरुष थे जो

0

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

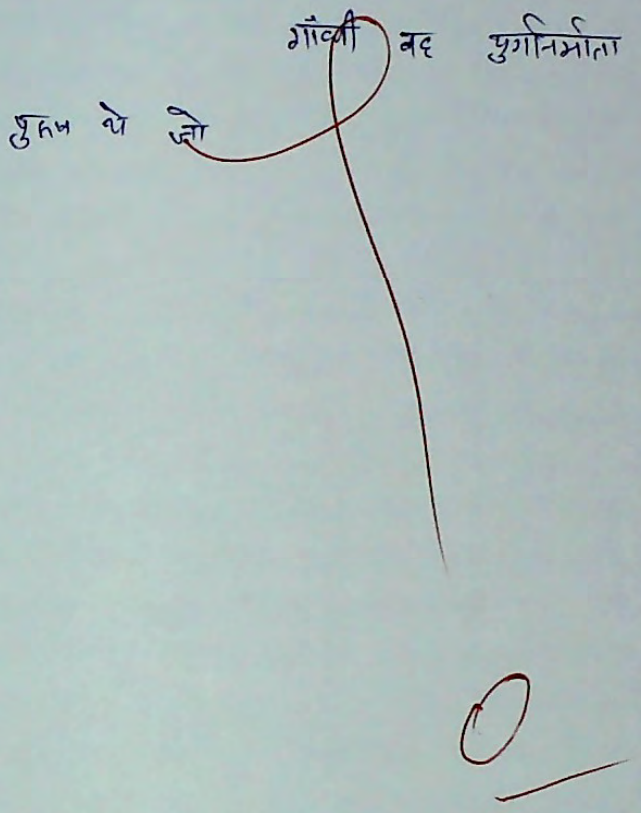

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation